प्राथमिक शिक्षक

वर्ष–35 अंक–4 अक्तूबर 2011

इस अंक में

संवाद 3

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में

लेख

1. गांधी जी– कर्मयोगी और लेखक के रूप में 5
2. दो प्रेरक प्रसंग – स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री 13
3. खिलौनों का समाजशास्त्र सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' 15
4. आकलन– क्यों, कब और कैसे? 22
5. आकलन कैसे हो– कुछ प्रस्तावित गतिविधियाँ 36
6. संग्रहालय– शिक्षा का एक सशक्त उपकरण अवधेश कुमार, रमेश कुमार 66

अनुभव

7. सीखना और कला लक्ष्मी रानी 'चंदेल' 75

शोध

8. प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक प्रभाव में वृद्धि हेतु सरकारी प्रयास के प्रति अभिभावकों के विचार विश्लेषण नरेन्द्र कुमार सिंह, महेंद्र सिंह यादव 78

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

9. प्राथमिक शिक्षा हेतु गठित ग्राम शिक्षा समिति के प्रति अभिभावक एवं शिक्षकों का दृष्टिकोण — भावेश चंद्र दुबे — 87

10. भारतीय विद्यालयों में त्रि-भाषा सूत्र एवं प्रचलित भाषाएँ–एक सांख्यिकीय शैक्षिक सर्वेक्षण एवं विश्लेषण — संदीप कुमार शर्मा, वीरेंद्र प्रताप सिंह — 97

पठनीय

– मैं इस तरह नहीं पढ़ूँगी — कनक लता दुबे — 111

बालमन कुछ कहता है

– माँ — 117

– चंदामामा — 118

– डॉक्टर — 119

कविता

– कैसे — वीरा लायल